

संस्कृत

समय - 2.00 घण्टा

कक्षा - 7

पूर्णांक - 100

नोट-सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्न अवतरणों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 16
 (क) तत्कथनं श्रुत्वा सः अश्वसादी अश्वाद् अवातरत्, निजं कोटपरिधानं च अवतार्य भूमौ न्यदधात्। ततः असौ काष्ठखण्डस्य उन्नयने सैनिकैः साकं बलसाहाय्यम् अकरोत्। काष्ठखण्डः याने आरोपितः अभवत्। सर्वे तस्य सहयोगं प्राशंसन्।
 (ख) पुरा वाल्मीकिः नाम एकः ऋषिः आसीत्। एकदा सः शिष्यैः सह स्नातुं तमसानद्या तीरम् अगच्छत्। मार्गे सः व्याधेन विद्धम् एकं क्रीञ्चपक्षिणमपश्यत्। सहचरस्य वियोगेन व्याकुलितायाः कौञ्च्याः उच्चैः क्रन्दनम् अशृणोत्।
2. किसी एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 12
 (क) किमधिकं ब्रमहे भगवन्! विनीतनप्रार्थनैकेयम्।
 यदेते बालकाः स्वीयाः प्रभो नो विस्मृति नेयाः॥
 (ख) भारतीयैकता-साधकं संस्कृतम्
 भारतीयत्व-सम्पादकं संस्कृतम्
 ज्ञान-पुञ्ज-प्रभादर्शकं संस्कृतम्
 सर्वदानन्द-सन्दोहदं संस्कृतम्॥
3. किसी एक पाठ का सारांश हिन्दी में लिखिए- 8
 (क) प्रहेलिकाः (ख) वीराङ्गना विष्पला
4. अपनी पाठ्य पुस्तक भाग-2 से याद किया कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 8
5. निम्न में से किन्हीं तीन में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :- 6
 (क) मुनयःनिवसन्ति।
 (ख) विज्ञान-आंचलिक-केन्द्रम्स्थितमस्ति।
 (ग) जलंजीवनं न सम्भवति।
 (घ) धर्मचन्द्रः अतीव चतुरःआसीत्।

6. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :- 12
- (क) माता किं आनयति?
- (ख) मूढता कस्मात् दूरे नेया?
- (ग) पाठे जलस्य कति रूपाणि वर्णितानि?
- (घ) संस्कृतं कस्य साधकम् अस्ति?
7. किन्हीं दो शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए :- 8
- नमो नमः, ददाति, चरन्ति।
8. किन्हीं दो पदों का सन्धि-विच्छेद कीजिए :- 4
- धर्मचन्द्रश्च, शुष्केन्धनम्, स्वाधीना, जनाधरेषु।
9. किन्हीं दो पदों में विभक्ति तथा वचन लिखिए :- 4
- माला, अश्वाद, मनि।
10. (क) 'भानु' अथवा 'पितृ' शब्दों के चतुर्थ विभक्ति के सभी वचनों में रूप लिखिए। 6
- (ख) 'द्वि' अथवा 'वस्' धातु के लृट्लकार (भविष्यकाल) के प्रथम पुरुष के सभी वचनों में रूप लिखिए। 6
11. किन्हीं पाँच खण्डों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- 10
- (क) माँ जल लाती है।
- (ख) राजभवन में राज्यपाल रहते हैं।
- (ग) वहाँ वह अपने मित्र से मिला।
- (घ) हम एक साथ मिलकर रहते हैं।
- (ङ) वह घुड़सवार घोड़े से उतरा।
- (च) ज्ञान से आचरण श्रेष्ठ है।